नमूना प्रश्न पत्र-2 (हिन्दी पाठ्यक्रम ब के लिए)

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश -

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका अनुपालन कीजिए -

(1) प्रश्न-पत्र के दो खंड है - खंड 'अ' और खंड 'ब'।

(2) 'अ' में कुल 9 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए है। सभी प्रश्नों के उपप्रश्न दिए गए है। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(3) 'ब' में कुल 8 वर्णात्मक प्रश्न पूछे गए है। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए है। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड 'अ' (वस्तुपरक प्रश्न)

प्र.1 नीचे दो गद्यांश दिए गये है। किसी एक गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(1 × 5 = 5)**

समय एक अमूल्य धन है। समय मनुष्य को बलवान और निर्बल बनाता है। समय स्वाधीन है और उसके रथ के पहिये निरन्तर गतिशील रहते है। वे कभी रूकना नहीं जानते। समय की यह गति मनुष्य को प्रभावित करती है। यदि यह कहा जाए कि समय उतार चढ़ाव ही मनुष्य जीवन का उत्थान पतन है तो अनुचित न होगा। समय ही शिशु का युवक, युवक को वृद्ध और वृद्ध को मृत्यु की गोद में ले जाता है: अत: मनुष्य जीवन के निर्माण, परिवर्तन एवं सुधार में सहायक होने के कारण समय उसके लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। समय सच्चा एवं अमूल्य धन है। यह ईश्वरीय वरदान सबके लिए है। कोई भी इससे वंचित नहीं है। यह एक ऐसी पूँजी है, जो निर्धन और धनवान सभी के पास बिना किसी भेदभाव के उपलब्ध है; अत: इस धन के उपयोग के लिए प्रत्येक व्यक्ति स्वतंत्र है। समय प्रत्येक व्यक्ति को अवसर देता है। जो इसका उपयोग करता है, इस अमूल्य धन का अपव्यय एवं दुरूपयोग नहीं करता, वह मनुष्य अपने भाग्य का स्वयं विधाता बनता है। इसके विपरीत, जो अवसर को हाथ से खो देता है अथवा इसे व्यर्थ ही नष्ट कर देता है, समय उसका सर्वनाश कर देता है। समय का सदुपयोग ही जीवन की सफलता का मूलमंत्र हे। हम केवल प्राप्त क्षण का ही उपयोग कर सकते है। भविष्य में समय के सदुपयोग के विषय में न सोचने वाला व्यक्ति सदा टाल मटोल की प्रवृत्ति का अभ्यस्त हो जाता है और उसका 'आज' तो 'कल' में बदल जाता है और 'आने वाला कल' कभी कभी 'न आने वाला कल' हो जाता है: अत: आज को कल पर छोड़ने की प्रवृत्ति समय का सदुपयोग करना नहीं कहलाती।

निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए -

1. प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक होगा -

(अ) समय का सदुपयोग (ब) सुनहरा भविष्य (स) आने वाला कल (द) जीवन की सफलता।

2. समय की गति मनुष्य जीवन को किस प्रकार प्रभावित करती है -

(अ) समय मनुष्य को बलवान और निर्बल बनाता है (ब) समय के रथ के पहिये निरन्तर गतिशील रहते है

(स) समय का उतार चढ़ाव ही मनुष्य जीन का उत्थान पतन है (द) उपर्युक्त सभी

3. समय को ईश्वरीय वरदान क्यों कहा गया है -

(अ) समय सच्चा एवं अमूल्य धन है

(ब) समय ऐसी पूँजी है, तो एकसमान रूप से निर्धन के पास भी है और धनवान के पास भी है

(स) समय प्रत्येक व्यक्ति को समान अवसर देता है

(द) समय जीवन की सफलता का मूलमंत्र है।

4. 'दुरूपयोग' शब्द का संधि-विच्छेद है -

(अ) दुरू + उपयोग (ब) दु + उपयोग (स) दुर + उपयोग (द) दुरूप + योग

5. स्वयं का भाग्य-विधाता होता है -

(अ) आज को 'कल' में बदलने वाला (ब) समय को अमूल्य धन मानने वाला

(स) समय के सदुपयोग की सोचने वाला (द) समय का सदुपयोग करने वाला।

अथवा

जनसाधारण की भलाई के लिए सरकारी तथा गैर सरकारी संस्थाओं के कुछ ऐसे विज्ञापन दिए जाते है, जिनका लक्ष्य अच्छी सरकार, सामुदायिक विकास, वैज्ञानिक सफलताएँ, शिक्षा-सुधार, सार्वजनिक स्वास्थ्य, वन्य प्राणी-रक्षा, यातायात सुरक्षा तथा धार्मिक एकता को बनाए रखना होता है। इसके अतिरिक्त इनसे बाजारों में उपभोक्ता को उत्पाद वस्तुओं के चयन में सहायता मिलती है। कृषि के क्षेत्र में किसानों को कीटनाशक औषधियों और उनके प्रयोग करने की जानकारी, परिवार नियोजन तथा बच्चे को टीका लगाने की जानकारी आकाशवाणी तथा दूरदर्शन पर प्रसारित किए जाने वाले विज्ञापनों से मिल सकती है। समाज कल्याण संबंधी संस्थाओं के विज्ञापनों का मुख्य लक्ष्य जनता में विवेक उत्पन्न करना, उसके जीवन स्तर को ऊँचा उठाना, उसका सांस्कृतिक, बौद्धिक तथा आध्यात्मिक विकास करना आदि रहा है। आधुनिक युग में विज्ञापन जीवन के अभिन्न अंग बन गए है। उपभोक्ता को शिक्षित करना, उत्पादक को लाभ पहुँचाना, विक्रेता की सहायता करना, उत्पादक तथा उपभोक्ता के बीच मधुर संबंध स्थापित करना तथा लोक सेवा करना विज्ञापन के प्रमुख कार्य है। इस प्रकार आज हमारा संपूर्ण जीवन विज्ञापनमय हो गया है।

निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए -

1. आधुनिक युग में जीवन का अभिन्न अंक क्या बन गए है -

(अ) आध्यात्मिक विकास (ब) विज्ञापन (स) धर्म (द) बौद्धिकता।

2. सामुदायिक विकास, शिक्षा-सुधार, सुरक्षा तथा धार्मिक-एकता को बनाए रखने हेतु दिए गए विज्ञापनों का क्या उद्देश्य होता है -

(अ) जनसाधारण की भलाई (ब) सरकारी कमाई

(स) उपभोक्ता को शिक्षित करना (द) शिक्षा सुधार

3. समाज कल्याण संबंधी संस्थाओं के विज्ञापनों का मुख्य लक्ष्य जनता का कौनसा विकास करना है -

(अ) सांस्कृतिक (ब) बौद्धिक (स) आध्यात्मिक (द) ये सभी।

4. आज हमारा सम्पूर्ण जीवन कैसा हो गया है -

(अ) नीरस (ब) विज्ञापनमय (स) मधुर (द) आध्यात्मिक।

5. उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए -

(अ) आध्यात्मिक विकास (ब) जनसाधारण की भलाई (स) विज्ञापन का महत्व (द) इनमें से कोई नहीं।

प्र.2 नीचे दो गद्यांश दिए गये है। किसी एक गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(1 × 5 = 5)**

शिक्षा का उद्देश्य मनुष्य की सभी क्षमताओं का विकास करना है; जिसके अन्तर्गत शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और नैतिक सभी क्षमताएँ सम्मिलित है। शिक्षित व्यक्ति अपने शारीरिक विकास का ध्यान रखता है, जिससे वह अपने कर्तव्यों का सम्यक् परिपालन कर सके। बौद्धिक विकास से अभिप्राय केवल यह नहीं है कि शिक्षित व्यक्ति कुछ तथ्यों को जान लेता है, बल्कि यह है कि वह जीवन के सभी क्षेत्रों में ऐसा व्यवहार करता है, जो सुबुद्धि विरोधी न हो। साहित्य और ललित कलाओं के प्रति अनुराग और उनके स्तर की पहचान को भी शिक्षित व्यक्ति का एक आवश्यक गुण समझा जा सकता है। शिक्षित व्यक्ति वैचारिक स्तर पर भी ऊँचा उठ जाता है। उसका 'स्व' विस्तृत होता है; क्योंकि वह 'स्वहित' से अधिक परहित को महत्व देता है और देशहित के आगे सबकुछ निछावर कर सकता है। केवल साक्षर होना, पढ़-लिख लेना शिक्षित होना नहीं है। यदि हम विनम्र नहीं है, उदार और सहनशील नहीं है, देश और समाज को सर्वोपरि नहीं मानते तो हम डिग्रीधारी भले ही हों, शिक्षित कदापि नहीं कहलाएँगे।

निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए –

1. उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए –

(अ) शिक्षा (ब) शिक्षा का उद्देश्य

(स) साहित्य और ललित कला (द) साक्षरता।

2. मनुष्य की सभी क्षमताओं का विकास किसका उद्देश्य है –

(अ) साहित्य का (ब) शिक्षा का (स) कला का (द) नैतिकता का।

3. शिक्षित व्यक्ति अपने शारीरिक विकास का ध्यान किस उद्देश्य से रखता है –

(अ) कर्तव्यो के सम्यक् परिपालन हेतु (ब) ताकत हेतु

(स) प्रदर्शन हेतु (द) स्वहित हेतु।

4. साहित्य और ललित–कलाओं के प्रति अनुराग किसका आवश्यक गुण समझा जाता है –

(अ) अशिक्षित व्यक्ति का (ब) शिक्षित व्यक्ति का (स) कलाकार का (द) विचारक का।

5. शिक्षित व्यक्ति 'स्वहित' से अधिक किसे महत्व देता है –

(अ) शिक्षा को (ब) स्वार्थ को (स) परहित को (द) नैतिकता को।

अथवा

कुछ लोग विद्यार्थियों की अनुशासनहीनता का मुख्य कारण माता पिता की ढिलाई मानते है। माता पिता के संस्कार ही बच्चे पर पड़ते है। बच्चे की प्राथमिक पाठशाला घर होता है। यदि घर का वातावरण ही दोषपूर्ण है तो उसके संस्कार उन्नत कैसे हो सकते है? माता पिता पहले तो प्यार के कारण बच्चे के खराब व्यवहार, अशिष्टता और खराब भाषा की ओर ध्यान नहीं देते, और वे विद्यालय तथा शिक्षकों की आलोचना करना आरम्भ कर देते है। बच्चों के दोषपूर्ण व्यवहार और संस्कारो का एक कारण हमारी दोषपूर्ण शिक्षा प्रणाली भी है, जिसमें नैतिक या चारित्रिक शिक्षा को कोई स्थान नहीं दिया जाता। पहले विद्यार्थियों को दंड का भय बना रहता था, किंतु अब शारीरिक दंड अपराध माना जाता है, शिक्षक केवल जबानी जमा खर्च ही कर सकते है। पश्चिमी संगीत, नृत्य तथा चलचित्रों ने भी बहुत हानि पहुँचाई है। इनके कारण उनमें चारित्रिक दृढ़ता न रहकर उच्छृंखलता इस सीमा तक बढ गई है कि यदि समय रहते इस ओर ध्यान नहीं दिया गया तो देश का भविष्य ही अंधकारमय हो सकता है।

निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए –

1. कुछ लोग विद्यार्थियों की अनुशासनहीनता का मुख्य कारण किसे मानते है –

(अ) शिक्षकों की ढिलाई को (ब) माता–पिता की ढिलाई को

(स) विद्यालय की ढिलाई को (द) शारीरिक दंड को

2. किसके संस्कार बच्चों पर पड़ते है –

(अ) माता पिता के (ब) समाज के (स) घर के (द) शिक्षक के।

3. क्या दोषपूर्ण होने पर विद्यार्थियों के संस्कार उन्नत नहीं हो पाते –

(अ) घर का वातावरण (ब) शिक्षा–प्रणाली (स) व्यवहार (द) इनमें से कोई नहीं।

4. बच्चों के व्यवहार और संस्कारों को किसने और अधिक हानि पहुँचाई है –

(अ) पश्चिमी संगीत (ब) पश्चिमी नृत्य (स) चलचित्र (द) ये सभी।

5. बच्चों की प्राथमिक पाठशाला होता है –

(अ) विद्यालय (ब) घर (स) समाज (द) इनमें से कोई नहीं

प्र.3 निम्नलिखित पाँच भागों में से किन्ही चार भागों के उत्तर दीजिए। **(1 × 4 = 4)**

1. शब्द जब वाक्य में प्रयुक्त होकर व्याकरणिक कार्य करता है तो कहलाता है –

(अ) पदबंध (ब) पद (स) वर्ण (द) समस्तपद।

2. 'मोहना धीरे धीरे चलकर वहाँ जा पहुँची।' रेखांकित वाक्यांश है –
(अ) क्रिया पदबंध (ब) संज्ञा पदबंध (स) क्रियाविशेषण पदबंध (द) विशेषण पदबंध।

3. विशेषण पदबंध है –
(अ) विनोद एक आलसी और कमजोर लड़का है (ब) वह खाना खाकर सो गया
(स) हमारी टीम ने अच्छा खेला (द) सूरज उग आया है।

4. सर्वनाम पदबंध नहीं है –
(अ) सदैव साथ देने वाले तुम मेरे सच्चे मित्र हो (ब) दुर्भाग्य का मारा मैं इधर उधर भटकता रहा
(स) बंगलुरू जाने वाली गाड़ी देर से जाएगी (द) सोच समझकर चलने वाला वह कैसे भटक गया।

5. 'वे चार खिलाड़ी लड़के' में शीर्षपद है –
(अ) वे (ब) चार (स) खिलाड़ी (द) लड़के

प्र.4 निम्नलिखित पाँच भागों में से किन्हीं चार भागों के उत्तर दीजिए – (1 × 4 = 4)

1. 'रमन बाजार से मिठाई लाया।' वाक्य में उद्देश्य है –
(अ) रमन (ब) बाजार से (स) मिठाई (द) लाया।

2. जिस वाक्य में एक प्रधान उपवाक्य और अन्य आश्रित उपवाक्य हों, उसे कहते हैं –
(अ) संयुक्त वाक्य (ब) मिश्र वाक्य (स) सरल वाक्य (द) आश्रित वाक्य

3. सरल वाक्य है –
(अ) मैं पुस्तकें खरीदने बाजार गया (ब) वह घर गया और काम पर लग गया
(स) जब वर्षा हो रही थी, तब में घर में ही था (द) वह नाराज था, इसलिए मेरे घर नहीं आया।

4. 'उस लड़के के बुलाओ, जिसके लंबे बाल है।' रेखांकित वाक्यांश है –
(अ) संज्ञा उपवाक्य (ब) विशेषण उपवाक्य (स) सर्वनाम उपवाक्य (द) क्रियाविशेषण उपवाक्य

5. 'पुलिस के आते ही गली में सन्नाटा छा गया।' का मिश्र वाक्य में रूपान्तरण होगा –
(अ) पुलिस आई और गली में सन्नाटा छा गया (ब) जैसे ही पुलिस आई, गली में सन्नाटा छा गया
(स) पुलिस आने के कारण गली में सन्नाटा छा गया (द) पुलिस आई, इसलिए गली में सन्नाटा छ गया।

प्र.5 निम्नलिखित पाँच भागों में से किन्हीं चार भागों के उत्तर दीजिए– (1 × 4 = 4)

1. जिस समास में एक पद विशेषण और दूसरा विशेष्य होता है, उसे कहते है –
(अ) तत्पुरूष समास (ब) द्वंद्व समास (स) कर्मधारय समास (द) अव्ययीभाव समास।

2. 'रामलीला' मे समास है –
(अ) तत्पुरूष समास (ब) कर्मधारय समास (स) बहुव्रीहि समास (द) द्विगु समास

3. अव्ययीभाव समास का उदाहरण है –
(अ) दशानन (ब) दूध–दही (स) कमलनयन (द) यथासंभव।

4. 'तत्पुरूष समास' नहीं है –
(अ) राजदूत (ब) वनवास (स) रोगमुक्त (द) मुख्यमंत्री

5. 'गजानन' का समास विग्रह है –
(अ) गज और आनन (ब) गज का आनन
(स) गज के समान है आनन जिसका (गणेश) (द) गज जैसा आनन।

प्र.6 निम्नलिखित चारों भागों के उत्तर दीजिए- **(1 × 4 = 4)**

1. 'काम निकलते ही उसने आँखें .....।' रिक्त स्थान की पूर्ति उचित मुहावरे से कीजिए -

(अ) चुरा ली (ब) बंद कर ली (स) फेर ली (द) नचा दी।

2. 'अत्यंत परिश्रमी होना।' के लिए उपयुक्त मुहावरा है -

(अ) काँटो पर लेटना (ब) कमर टूटना (स) खेत रहना (द) कोल्हू का बैल।

3. 'रवि अपने माता पिता के लिए .....है।' रिक्त स्थान के लिए उपयुक्त मुहावरा है -

(अ) चिकना घड़ा (ब) अंधे की लकड़ी (स) ईद का चाँद (द) गले की फाँस।

4. मैं तुम्हे ऐसा मारूँगा कि छठी .....। उपयुक्त मुहावरे से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए -

(अ) उँगली याद आ जाएगी (ब) कक्षा में चले जाओगे (स) मंजिल से कूद जाओगे (द) का दूध याद आ जाएगा।

प्र.7 निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए- **(1 × 4 = 4)**

स्याम म्हाने चाकर राखो जी,
गिरधारी लाला म्हाँने चाकर राखोजी।
चाकर रहस्यूँ बाग लगास्यूँ नित उठ दरसण पास्यूँ।
बिन्दरावन री कुंज गली में, गोविन्द लीला गास्यूँ।
चाकरी में दरसण पास्यूँ, सुमरण पास्यूँ खरची।
भाव भगती जागीरी पास्यूँ, तीन बाताँ सरसी।
मोर मुगट पीताम्बर सौहे, गल वैजन्ती माला।
बिन्दरावन में धेनु चरावे, मोहन मुरली वाला।
ऊँचा ऊँचा महल बणावं बिच बिच राखूँ बारी।
साँवरिया रा दरसण पास्यूँ, पहर कुसुम्बी साड़ी।
आधी रात प्रभु दरसण, दीज्यो जमनाजी रे तीरां।
मीराँ रा प्रभु गिरधर नागर, हिवड़ो घणो अधीराँ।

निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए-

1. मीरा चाकरी करना चाहती है -

(अ) राजा की (ब) श्री कृष्ण की (स) अपने गुरू की (द) इनमें से कोई नहीं।

2. श्रीकृष्ण की चाकर बनी मीरा के कार्यो में सम्मिलित नहीं है -

(अ) सुंदर बाग लगाना (ब) नित्य उठकर दर्शन करना
(स) गोविन्द का लीलागान करना (द) भोजन बनाना।

3. मीरा के लिए जागीर है -

(अ) हरि-दर्शन (ब) हरि-स्मरण (स) हरि की भावपूर्ण भक्ति (द) धन-दौलत

4. मीरा साँवरिया के दर्शन करना चाहती है -

(अ) साधारण वस्त्र पहनकर (ब) कुसुंबी साड़ी पहनकर (स) आभूषणों से सज धजकर (द) श्वेत वस्त्र धारण करके।

प्र.8 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए – (1 × 5 = 5)

किसी तरह रात बीती। दोनों के हृदय व्यथित थे। किसी तरह आँचरहित एक ठंडा और ऊबाऊ दिन गुजरने लगा। शाम की प्रतीक्षा थी। तताँरा के लिए मानो पूरे जीवन की अकेली प्रतीक्षा थी। उसके गंभीर और शांत जीवन में ऐसा पहली बार हुआ था। वह अचंभित था, साथ ही रोमांचित भी। दिन ढलने के काफी पहले वह लपाती की उस समुद्री चट्टान पर पहुँच गया। वामीरों की प्रतीक्षा में एक एक पल पहाड़ की तरह भारी था। उसके भीतर एक आशंका भी दौड़ रही थी। अगर वामीरो न आई तो ? वह कुछ निर्णय नहीं कर पा रहा था। सिर्फ प्रतीक्षारत था। बस आस की एक किरण थी जो समुद्र की देह पर डूबती किरणों की तरह कभी भी डूब सकती थी। वह बार बार लपाती के रास्ते पर नजरें दौड़ता। सहसा नारियल के झुरमुटों में उसे एक आकृति कुछ साफ हुई .... कुछ और ..... कुछ और। उसकी खुशी का ठिकाना ना रहा। सचमुच वह वामीरो थी। लगा जैसे वह घबराहट में थी। वह अपने को छुपाते हुए बढ़ रही थी। बीच बीच में इधर उधर दृष्टि दौड़ना न भूलती। फिर तेज कदमों से चलती हुई तताँरा के सामने आकर ठिठक गई। दोनों शब्दहीन थे। कुछ था जो दोनों के भीतर बह रहा था। एकटक निहारते हुए वे जाने कब तक खड़े रहे। सूरज समुद्र की लहरों में कहीं खो गया था। अँधेरा बढ़ रहा था। अचानक वामीरो कुछ सचेत हुई और घर की तरफ दौड़ पड़ी। तताँरा अब भी वहीं खड़ा था ..... निश्चल ..... शब्दहीन।

निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए–

1. गद्यांश के लेखक है –

(अ) प्रेमचंद (ब) सीताराम सेकसरिया (स) लीलाधर मंडलोई (द) प्रहलाद अग्रवाल।

2. तताँरा और वामीरो के हृदय व्यथित थे –

(अ) एक दूसरे के विरह में (ब) परस्पर झगड़े के कारण

(स) फिर कभी न मिल पाने के कारण (द) एक दूसरे को बुरा भला कहने के कारण।

3. दिन ढलने से पहले तताँरा पहुँच गया –

(अ) वामीरो के गाँव में (ब) अपने गाँव में

(स) लपाती की समुद्री चट्टान पर (द) समुद्र से दूर।

4. तताँरा को वामीरो कहाँ दिखाई दी –

(अ) बाग में (ब) लताओं के पीछे (स) नारियल के झुरमुटों में (द) समुद्र के किनारे।

5. 'दोनो शब्दहीन थे'? इसका कारण था –

(अ) एक दूसरे का भय (ब) प्रथम मिलन का संकोच (स) एक दूसरे से नाराजगी (द) सुध बुध खो जाना।

प्र.9 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए – (1 × 5 = 5)

वह एक छह मंजिली इमारत थी, जिसकी छत पर दफ्ती की दीवारोंवाली और तातामी (चटाई) की जमीनवाली एक सुंदर पर्णकुटी थी। बाहर बेढब सा एक मिट्टी का बरतन था। उसमें पानी भरा हुआ था। हमने अपने हाथ पाँव इस पानी से धोए। तौलिए से पोंछे और अंदर गए। अंदर 'चाजीन' बैठा था। हमें देखकर वह खड़ा हुआ। कमर झुकाकर उसने हमें प्रणाम किया। दो ..... झो ..... (आइए, तशरीफ लाइए) कहकर स्वागत किया। बैठने की जगह हमें दिखाई। अँगीठी सुलगाई। उस पर चायदानी रखी बगल के कमरे में जाकर कुछ बरतन ले आया। तौलिये से बरतन साफ किए। सभी क्रियाएँ इतनी गरिमापूर्ण ढंग से कीं कि उसकी हर भंगिमा से लगता था मानो जयजयवंती के सुर गूँज रहे हों। वहाँ का वातावरण इतना शांत था कि चायदानी के पानी का खदबदाना भी सुनाई दे रहा था।

निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए-

1. गद्यांश के लेखक का नाम है।

(अ) अंतोन चेखव (ब) निदा फाजली (स) रवींद्र केलेकर (द) प्रहलाद अग्रवाल

2. इमारत में मंजिलें थी -

(अ) सात (ब) आठ (स) दस (द) छह।

3. 'चाजीन' द्वारा आगंतुकों के स्वागत की क्रियाओं में सम्मिलित नहीं है -

(अ) देखकर खड़ा होना (ब) कमर झुकाकर प्रणाम करना

(स) दो .... झो .... कहकर स्वागत करना (द) पुष्प भेंट करना।

4. चाय बनाने की प्रक्रिया में सम्मिलित नहीं है -

(अ) अँगीठी सुलगाना (ब) अँगीठी पर चायदानी रखना

(स) तौलिये से बरतन साफ करना (द) दूध उबालना।

5. 'चाजीन' ने सभी क्रियाएँ की थीं -

(अ) गरिमापूर्ण ढंग से (ब) असभ्यतापूर्वक (स) अनमने ढंग से (द) जल्दबाजी में।

खंड 'ब' (वर्णात्मक प्रश्न)

प्र.10 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं 2 प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए- **(2 × 2 = 4)**

(अ)सवार के जाने के बाद कर्नल क्यों हक्का-बक्का रह गया?

(ब) निकोबार द्वीपसमूह के विभक्त होने के बारे में निकोबारियों का क्या विश्वास है?

(स) पावस के दृश्य को कवि इंद्रजाल क्यों मानता है?

प्र.11 निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए- **(4)**

'अहंकार मनुष्य का विनाश करता है।' इस कथन को स्पष्ट करने के लिए बड़े भाई ने क्या-क्या उदाहरण दिए? बड़े भाई साहब पाठ के आधार पर 60-70 शब्दों में उत्तर लिखिए।

प्र.12 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं 2 प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए- **(3 × 2 = 6)**

(अ) नाम के चक्कर में पड़कर लोग क्या भूल गए है? टोपी ने ऐसा क्या कह दिया कि रामदुलारी की आत्मा गनगना उठी?

(ब) पंद्रह बीघा जमीन के लालच ने किस तरह लोगों के आपसी सद्भाव को बिगाड़ दिया था? 'हरिहर काका' पाठ के आधार पर लिखिए। यह घटना आपके मन पर क्या प्रभाव डालती है?

(स) 'सपनों के -दिन' पाठ में हेडमास्टर शर्मा जी की बच्चों को मारने-पीटने वाले अध्यापकों के प्रति क्या धारणा थी? जीवन मूल्यों के संदर्भ में उसके औचित्य पर अपने विचार लिखिए।

प्र.13 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गये संकेत बिन्दुओं के आधार पर लगभग 80-100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए- **(6)**

(अ) **संघर्ष ही जीवन है - संकेत-बिंदु** - संघर्ष कर्म का दूसरा नाम, संघर्षमय जीवन ही असली जीवन, संघर्ष ही जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा।

(ब) **व्यायाम का महत्त्व - संकेत-बिंदु** - स्वस्थ शरीर का महत्त्व, शरीर को स्वस्थ रखने का उपाय-व्यायाम, व्यायाम के प्रकार, व्यायाम करने से लाभ।

(स) **युवाओं में निराशा की भावना - संकेत-बिंदु** - जीवन यापन के दो दृष्टिकोण, शिक्षा के आधार पर सफलता न मिलना, उचित शिक्षा व स्वस्थ निर्देशन की आवश्यकता।

प्र.14 नगरों में कल-कारखानों से प्रदूषण में हो रही वृद्धि को रोकने हेतु किसी दैनिक पत्र के संपादक को पत्र लिखिए। **(5)**

अथवा

आपके मोहल्ले में बिजली प्राय:रात्रि के समय कई-कई घंटों के लिए चली जाती है। बिजली संकट से उत्पन्न कठिनाइयों से अवगत कराते हुए बिजली विभाग के संबंधित अधिकारी को पत्र लिखिए।

प्र.15 रोटरी क्लब की ओर से बच्चों की फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। आप रोटरी क्लब, हरिद्वार के अध्यक्ष होने के नाते सभी हरिद्वारवासियों को इसकी सूचना प्रदान कीजिए। **(5)**

अथवा

आप जल-विभाग के सचिव हैं। पानी के पाइप की मरम्मत के कारण गोविंदपुरी, दिल्ली के क्षेत्रवासियों को जल आपूर्ति की कटौती की सूचना दीजिए।

प्र.16 किसी लैपटॉप कंपनी की ओर से लगभग 25 से 50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए। **(5)**

अथवा

किसी ऋण उपलब्ध कराने वाली कंपनी की ओर 25 से 50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

प्र.17 एक मौलिक कथा लिखिए, जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो ''जैसी करनी वैसी भरनी।'' **(5)**

अथवा

''संगठन में शक्ति होती है'' कहावत को आधार बनाकर मौलिक कथा लिखिए।

ALLEN